FD-501

M.A. 3rd Semester
Examination, Dec.-Jan., 2021-22

HINDI

Paper - I

साहित्य के सिद्धान्त तथा आलोचनाशास्त्र

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 80

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

1. काव्य प्रयोजन से आप क्या समझते हैं? सविस्तार चर्चा कीजिए। 15

अथवा

साधारणीकरण से क्या तात्पर्य है? रस के साधारणीकरण पर विस्तार से विचार कीजिए।

2. ध्वनि सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ लिखकर ध्वनि का स्वरुप स्पष्ट कीजिए। 15

अथवा

औचित्य सिद्धान्त को स्पष्ट कीजिए।

3. अरस्तू के विरेचन सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए। 15

अथवा

लोंजाइनस की उदान्त तत्व की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

4. पाश्चात्य समीक्षा में मैथ्यू आर्नल्ड के योगदान पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

टी० एम० इलियट की काव्य सम्बन्धी मान्यताओं पर प्रकाश डालिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 2×5

(क) काव्य लक्षण

(ख) काव्य हेतु

(ग) रस निष्पत्ति

(घ) रीति सिद्धान्त

(ङ) वक्रोक्ति के भेद

(च) प्लेटो का काव्य सिद्धान्त

(छ) कॉलरिज का सिद्धान्त

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दस** वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 1×10

(क) अलंकार सम्प्रदाय के प्रमुख आचार्य का नाम लिखिए।

(ख) अरस्तू के प्रसिद्ध ग्रंथ का नाम लिखिए।

(ग) अभिधा एवं व्यंजना में किसे श्रेष्ठ माना गया है ?

(घ) लोंजाइनस की प्रसिद्ध कृति का क्या नाम है ?

(ङ) टी० एम० इलियट का पूरा नाम क्या है ?

(च) विभाव कितने प्रकार के होते हैं ?

(छ) 'रीतिरात्मा काव्यस्थ' किस आचार्य का कथन है ?

(ज) प्लेटो के गुरु का नाम लिखिए।

(झ) 'कविता जीवन की आलोचना है।' यह कथन किसका है ?

(ञ) 'वक्रोक्ति जीवितम्' किस आचार्य की रचना है ?

(ट) 'ध्वनि को काव्य की आत्मा' किसने कहा है ?

(ठ) आचार्य विश्वनाथ का सम्बन्ध किस सम्प्रदाय से है ?

———